हनुमान चालीसा

ekapdf.in

हनुमान चालीसा

“चालीसा” शब्द का निर्माण “चालीस” से हुआ है। जिसका हिंदी में अर्थ “चालीस” है और इसलिए ही हनुमान चालीसा के शुरुआत और अंत के छंदों को हटा दें, तो इसमें 40 पंक्तियां मौजूद हैं। यह देवता के प्रति भक्ति, स्तुति, त्याग और निष्ठा का वर्णन करती है। चालीसा में भगवान के उन सभी कार्यों और कर्मों की व्याख्या की गई है, जो उन्हें महान बनाता है।

"रामचरित मानस" के रचियता तुलसीदास ने बहुत ही सुंदर ढंग से हनुमान चालीसा को लिखा है।

हनुमान चालीसा की आरती

हनुमान को राम के परम भक्त, शारीरिक शक्ति और दृढ़ता का प्रतीक माना जाता है। विशेष रूप से इनकी पूजा मंगलवार और शनिवार को की जाती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि हनुमान जी को संकटों को हरने वाला देवता माना जाता है। हनुमान चालीसा में भगवान हनुमान जी की इतनी सुंदर स्तुति की गई है। जिससे व्यक्ति के मन में साहस और आत्मविश्वास का संचार होता है। हनुमान हमारे लिए दूसरों के लिए जीने और दुनिया में अच्छाई की रक्षा करने वाले अनुस्मारक उदाहरण हैं।

ekapdf.in

रामायण के हनुमान

रामायण में हनुमान जी का सबसे विनम्र, भक्तिपूर्ण, समर्पित और शक्तिशाली चरित्र माना गया है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक समय पर हनुमान जी अपनी सभी शक्तियों के बारे में भूल जाते हैं। इसी प्रकार मनुष्य भी अपनी क्षमताओं से अनजान है कि वह क्या कर पाने में सक्षम है। इसलिए, हमें अपने जीवन में चल रहें उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखते हुए आपके मन में देखना है और अपनी ताकत को खोजना है।

हनुमान चालीसा के गीत

हनुमान चालीसा के लिरिक्स आपको आसनी से इंटरनेट पर मिल जाएंगे। साथ ही पवित्र ग्रंथों के रूप में भी आसानी से उपलब्ध हैं। हनुमान चालीसा का पाठ समर्पण, सच्ची श्रद्धा, सद्भाव और हृदय से करना चाहिए। आप सुबह स्नान करने के बाद मंदिर (या फिर जिस भी स्थान को आपके पूजा करने के लिए चुना है) की सफाई करके अपना सम्मान और समर्पण दिखाएं। जिसके बाद शांत और खाली दिमाग के साथ अपने दोनों हाथों को जोड़ कर बैठ जाएं। ऐसा करना, आपके भगवान के प्रति आपके प्यार, भक्ति और समर्पण को दर्शाता हैं।

EKA ekapdf.in

हिंदू धर्म जीने की एक जीवन पद्धति है। पूरे दिन हम एक आत्मा को धारण करते हैं। इस वादे के साथ कि हमेशा दूसरों का सम्मान करना है और उनकी रक्षा करनी है। फिर दूसरे चाहे हमारे प्रति सबसे अच्छे ना हों। इसकी वजह से हमारी प्रार्थना सिर्फ हनुमान चालीसा तक ही सीमित नहीं रह जाती है। अगर आप हनुमान चालीसा के रिकॉर्डेड संस्करण को सुनना चाहते हैं, तो हमेशा गुलशन कुमार की आवाज में सुनें। हनुमान चालीसा में इनकी आवाज प्रतिष्ठित और सराहनीय है। यह अपनी गायन प्रदर्शन के लिए विशेष तौर पर जाने जाते हैं। हिंदू धर्म का समग्रता और एकता के बारे में होने के कारण, हनुमान चालीसा सभी भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हैं।

मंगलवार के दिन हनुमान व्रत

मंगलवार का दिन भगवान हनुमान की पूजा के लिए समर्पित किया गया है। इस दिन अधिकांश लोग इनके प्रति अपनी भक्ति, निष्ठा और समर्पण दिखाने के लिए उपवास करते हैं।

EKA
ekapdf.in

आमतौर पर लोग सूर्योदय से सूर्यास्त तक ही अपना उपवास रखते हैं। इस दिन सुबह जल्दी जगकर स्नान करने के बाद, लाल रंग के कपड़े पहनकर और लाल फूल चढ़ाते हुए सबसे पहले गणेश जी और फिर हनुमान जी की पूजा करना शुरू कर देना चाहिए। कहा जाता है कि ऐसा करने पर हनुमान जी अपने भक्तों के सभी कष्ट और उनकी जीवन के बाधाओं को हर लेते हैं और उनको एक अच्छी स्वस्थ और बेहतर जीवन की तरफ ले जाते हैं।

हनुमान चालीसा के फायदे

हनुमान चालीसा आपको एक अच्छा भक्त बनने और हर विषम परिस्थितियों में खुद पर भरोसा बनाएं रखने की सीख देता है। जिंदगी के विषम से विषम परिस्थितियों में भी आपको खुद पर भरोसा रखना चाहिए कि यह

EKA
ekapdf.in
ekapdf.in

सभी परिस्थितियां आपकी परीक्षा है, जो आपको एक बेहतर व्यक्ति के रूप में निखारेगी। इससे आप अपनी छुपी हुई ताकत के बारे में गहराई से जान पाएंगे। भगवान हनुमान हमें यह सीख देते हैं कि हमे रूप, लिंग, देश या किसी भी चीज की परवाह किए बगैर सदेव दूसरों का सम्मान करना चाहिए और खुद को सार्वभौमिक तौर पर तल्लीन कर लेना चाहिए। साथ ही इसका एक हिस्सा भी बन जाना चाहिए।

ekapdf.in

Hanuman Chalisa Lyrics in Hindi

दोह

श्रीगुरु चरन सरोज रज
निजमनु मुकुरु सुधारि
बरनउँ रघुबर बिमल जसु
जो दायकु फल चारि
बुद्धिहीन तनु जानिके
सुमिरौं पवन-कुमार
बल बुधि बिद्या देहु मोहिं
हरहु कलेस बिकार

चौपाई

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर
जय कपीस तिहुं लोक उजागर
रामदूत अतुलित बल धामा
अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा

ekapdf.in

महावीर विक्रम बजरंगी
कुमति निवार सुमति के संगी
कंचन वरन विराज सुवेसा
कानन कुण्डल कुंचित केसा

हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै
काँधे मूँज जनेऊ साजै
शंकर सुवन केसरीनंदन
तेज प्रताप महा जग वन्दन

विद्यावान गुणी अति चातुर
राम काज करिबे को आतुर
प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया
राम लखन सीता मन बसिया

ekapdf.in

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा
विकट रूप धरि लंक जरावा
भीम रूप धरि असुर संहारे
रामचंद्र के काज संवारे

लाय सजीवन लखन जियाये
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई

सहस बदन तुम्हरो जस गावैं
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीशा
नारद सारद सहित अहीसा

ekapdf.in

जम कुबेर दिगपाल जहां ते
कवि कोविद कहि सके कहाँ ते
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा
राम मिलाय राज पद दीन्हा

तुम्हरो मंत्र विभीषन माना
लंकेश्वर भये सब जग जाना
जुग सहस्त्र योजन पर भानू
लील्यो ताहि मधुर फल जानू

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं
जलधि लांघि गये अचरज नाहीं
दुर्गम काज जगत के जेते
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते

ekapdf.in

राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे
सब सुख लहै तुम्हारी सरना
तुम रक्षक काहू को डरना

आपन तेज सम्हारो आपै
तीनों लोक हांक तें कांपै
भूत पिसाच निकट नहिं आवै
महाबीर जब नाम सुनावै

नासै रोग हरै सब पीरा
जपत निरंतर हनुमत बीरा
संकट तें हनुमान छुड़ावै
मन क्रम वचन ध्यान जो लावै

ekapdf.in

सब पर राम तपस्वी राजा
तिनके काज सकल तुम साजा
और मनोरथ जो कोई लावै
सोई अमित जीवन फल पावै

चारों युग परताप तुम्हारा
है परसिद्ध जगत उजियारा
साधु-संत के तुम रखवारे
असुर निकंदन राम दुलारे

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता
अस वर दीन जानकी माता
राम रसायन तुम्हरे पासा
सदा रहो रघुपति के दासा

ekapdf.in

तुम्हरे भजन राम को भावै
जनम-जनम के दुख बिसरावै
अन्त काल रघुबर पुर जाई
जहाँ जन्म हरि-भक्त कहाई

और देवता चित्त न धरई
हनुमत सेई सर्व सुख करई
संकट कटै मिटै सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा

जै जै जै हनुमान गोसाईं
कृपा करहु गुरुदेव की नाईं
जो सत बार पाठ कर कोई
छूटहिं बंदि महा सुख होई

ekapdf.in

जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा
होय सिद्धि साखी गौरीसा
तुलसीदास सदा हरि चेरा
कीजै नाथ हृदय महँ डेरा

दोहा

पवनतनय संकट हरन
मंगल मूरति रूप
राम लखन सीता सहित
हृदय बसहु सुर भूप

ekapdf.in